तरबूज की खेती ने बढ़ाई अंता टुडू के जीवन में मिठास

किसान का नाम – अंता टुडू
पिता – नारान टुडू
ग्राम – मनोहरपुर
पंचायत – कांटाशोल
प्रखण्ड – डुमरिया
जिला – पूर्वी सिंहभूम
मोबाइल नं0 – 9036907781

डुमरिया प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम मनोहरपुर पंचायत कांटाशोल का रहने वाला अंता टुडू एक साधारण किसान परिवार से आता है। गरीबी के कारण वह अपनी पढ़ाई लिखाई नहीं कर पाया। प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद वह घर पर ही खेतीबारी के कार्य में लग गया। अल्प आय से ही कृषि कार्य में लगे रहने कारण उसने कृषि कार्य में अच्छी दक्षता हासिल की।

शादी करने के बाद पूरा परिवार मुख्य रूप से कृषि कार्य को ही अपना पेशा के रूप में अपनाया। वर्तमान में उनके पास कृषि यंत्र के रूप में डीजल पंपसेट, धान एवं आटा पीसने वाला मशीन एवं स्प्रे मशीन उपलब्ध है। सीमित साधन होते हुए अंता टुडू अपने बुलंद हौसले के कारण आज कृषि के क्षेत्र में अच्छी आमदनी कर रहे है। वे सालों भर मौसम आधारित खेती बड़े स्तर पर कर रहे है। लगभग एक हेक्टेयर में वह धान की खेती हर वर्ष करते है जिसमें अच्छा मुनाफा होता है धान से करीब 45 से 50 हजार रू0 का आमदनी होता है। हर मौसम में सब्जी आधारित खेती से वार्षिक आय 55 से 60 हजार रूपये होता है। अतिरिक्त समय में होलर मशीन चलाते है, इस तरह से कृषि आधारित कार्य से अंता टुडू को काफी मुनाफा हो रहा है।

तरबूज की खेती ने चमकाई किस्मत

अंता टुडू रबी मौसम में बृहत पैमाने पर पत्तागोभी एवं बैगन का खेती किए थे। जिसका सप्लाई कोलकाता के व्यापारी को किए जिससे ससमय बिक्री होने से अंता टुडू को उपज का सही दाम भी मिला। व्यापारियों के संपर्क में आने से अंता को खरीफ–बिक्री करने में सहजता महसूस होने लगा एवं जोखिम भी कम लगने लगा जिससे प्रेरित होकर इस बार तरबूज की खेती की। जनवरी 2023 के प्रथम सप्ताह में करीब 1.5 एकड़ जमीन पर उसने तरबूज का खेती किया। पूरा परिवार मन लगाकर उसमें लग गए। मार्च महीने में तरबूज निकलना शुरू हो गया। खेत से ही कोलकाता के व्यापारी आकर तरबूज खरीद लिये । 90 हजार से अधिक का तरबूज बिक्री किए है इसके अलावे स्थानीय बाजारों में भी तरबूज की बिक्री कर मुनाफा कमाये।

कृषि विभाग के आत्मा संस्था से जुड़ाव होने के बाद उनको सिंचाई सुविधा के लिए टपक सिंचाई ईकाई लगाने हेतु सहयोग किया जा रहा है। अंता टुडू कहते है यदि उनको सरकारी लाभ मिलें तो आगे बड़े स्तर पर धान की खेती के अलावे साग–सब्जी एवं आने वाले वर्ष में तरबूज की खेती का दायरा बढ़ायेंगे।

realme Shot by BabluRam.....

2023/4/26 16:11

2023/4/26 16:33